

DPN 5588

Title: कंकीर्ण / KAMKĪRṆA

Run. No. 6279

Cat. No.

Micro. No.

Subject कंकीर्ण / Kāṇva

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

नया दिशा
newa direction

Size in cms. 20 X 7

Folios 25 Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

(missing page 2, 3, 7)
Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material: palmleaf / paper / thiyasaphu / Red ink also used.

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

centimeter

5

10

15

20

15

10

5

0

centimeter

5

10

15

20



15

10

5

0

centimeter

5

10

15

20



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
रक्षा राजवर्द्ध ॐ नमो भगवते
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
विमलसूत्रमहावक्त्र
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कं

नमहावल्लवकठकलरसगवसाहा ॥ ध्वानायापुननं वसुपासुगयागुयाग
 पापमाचनरुयीगा ॥ १५ ॥ ओं नमहावल्लवकमहाबन्धुसंपूर्णश्रुतिकि
 नपुरुकठुगथागातायाः हं नमः संपूर्णवद्वायग ॥ १६ ॥ ओं नमः सर्ववद्वायगि
 स ॥ १७ ॥ ओं नमः सर्ववद्वायगि स ॥ १८ ॥ ओं नमः सर्ववद्वायगि स ॥ १९ ॥
 हगवं कथागातास्त्रिषु सर्ववद्वायगि स ॥ २० ॥ सर्ववद्वायगि स ॥ २१ ॥ सर्ववद्वायगि स ॥ २२ ॥

कि
२

निग्रहकावं इहोक्तसत्त्वानां दमका इक्षाना निवानकं ॥ २३ ॥ कथा ॥ ओं नमः ॥ २४ ॥
 वज्रपाणिपुत्रस्य पुत्रस्य नमः ॥ २५ ॥ कथा ॥ ओं नमः ॥ २६ ॥ कथा ॥ ओं नमः ॥ २७ ॥
 न उदर उदर ॥ २८ ॥ कथा ॥ ओं नमः ॥ २९ ॥ कथा ॥ ओं नमः ॥ ३० ॥
 कथमं सर्ववद्वायगि स ॥ ३१ ॥ कथा ॥ ओं नमः ॥ ३२ ॥ कथा ॥ ओं नमः ॥ ३३ ॥
 हनं ॥ ३४ ॥ कथा ॥ ओं नमः ॥ ३५ ॥ कथा ॥ ओं नमः ॥ ३६ ॥ कथा ॥ ओं नमः ॥ ३७ ॥

कं धृजगीम्रध्वं सर्वं तथा गताय विह्वतिवत्सम्यक् वक्ष्यामि ॥ कथयथा ॥ ओं नमो
 सप्तानां तथा गताय विह्वतिवत्सम्यक् वक्ष्यामि ॥ कथयथा ॥ चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं
 सर्वं चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं ॥ २० ॥ ओं श्रीगणेशाय नमः ॥
 कविप्रसादयवज्जन्मनस्तुतिवत्सम्यक् वक्ष्यामि ॥ कथयथा ॥ ओं नमो
 चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं ॥ २१ ॥ ओं नमो

कि
 ११

कर्तुं ह्यं ॥ ओं नमो चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं ॥ ओं नमो
 चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं ॥ ओं नमो
 चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं ॥ ओं नमो
 चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं ॥ ओं नमो
 चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं ॥ ओं नमो
 चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं चत्तुर्वर्ण्यं ॥ ओं नमो

कं त्रिषभकुमिहिसाहा ॥ अं कथगतभकुविउषिहअधिष्ठितहं हं हं हं हं
 साहा ॥ धभवनितानायापूयनं आकासचालिनं गभयमहं आदिगानं स
 निपातजानतासहयुचिरुसुधरुयुगं ॥ २२ ॥ अं आरवद्वहगवानवे
 वाचनहं ॥ अं आर अकासहं ॥ अं आरवत्वं संहवहं ॥ अं आर अमृतं ह
 वहं ॥ अं आर अमाघसिधिरं ॥ इति यच्च वद्वयाधर्ममनु ॥ २३ ॥

अं आर विपचिरं ॥ अं आर सिधिरं ॥ अं आर विश्वदुवहं ॥ अं आर ककुदं
 दहं ॥ अं आर कनकमनिहं ॥ अं आर कास्यपहं ॥ अं आर अकमनिहं ॥ इति
 सप्तद्वनामध्वनिः ॥ २४ ॥ अं आर आर्यावलाकिहसुबहं ॥ अं आर्य
 मेदीयहं ॥ अं आर्य मगर्हहं ॥ अं आर समकहहं ॥ अं आर वज्रपातिहं
 ॥ अं आर मरुतीकुमावहहं ॥ अं आर सर्वनिवर्तुविष्कारिहं ॥ अं आ

कं शक्तिगिरहं॥ शक्तिश्रुत्वा विस्वनामधवनि॥ २५ ॥ ओं नमो भगवते
 कमानि यमथा गतायाः हं न सम्यक् वृद्धाय॥ कथं॥ ओं मनि २ म हा मनि
 य स्वाहा॥ मनि स्वनामधवनि॥ २६ ॥ ओं नमो भगवते श्रुत्वा स्वायं क
 थं गतायाः हं न सम्यक् वृद्धाय॥ कथं॥ ओं कं कनि २ श्वचनि २ श्वक
 नि २ श्वसनि २ यमि हं हने २ सर्वकर्म पत्रं पत्रा नी सर्वस्वा नां च स्वाहा

कि
१३

॥ श्रुत्वा नामधवनि॥ २५ ॥ ओं नमो भगवते ह्येव्यं शुभवे इत्येव हं कं क
 यथा गतायाः हं न सम्यक् वृद्धाय॥ कथं॥ ओं हं ह्येव २ म हा हं ह्येव गज सः
 मर्गं स्वाहा॥ ह्येव नामधवनि॥ २६ ॥ ओं नमो भगवते श्रुत्वा विमिताय
 स्तनसंविनिश्चिद्रुता गतायाः हं न सम्यक् वृद्धाय॥ कथं॥
 ओं पून्य २ म हा पून्य श्रुत्वा विमिताय पून्य श्रुत्वा विमिताय पून्य स्तनसं हा वा प्रविद्र

कं

॥ ओं सर्वसंस्तुतयविस्तृतः धर्मगणेशसमृद्धिस्तुतावविस्तृतमस्तुनयप
विमानस्तुता ॥ ओं हे वर्य्यश्महादेव कृपासमृद्धिस्तुता ॥ ओं मानिधन
इं ॥ ओं वागीश्वरीमं ॥ ओं वज्रवागिस्तुतिइं ॥ ओं वज्रपातिइं ॥ ओं श्रुतपंच
नधिइं ॥ ओं वाक्कंदनमं ॥ ओं वज्रमहावाहनइं ॥ ओं मानिकुलप्रभुस्तु
ता ॥ ओं मानिचिपस्तुता ॥ ओं पितामहिपुनस्तुति सर्वकलप्रसमनयस्तुता ॥

कि
१४

॥ ओं यथा विविमलइंदु ॥ यथा नाअल्लासतयथापहावनकल्प
द्विष्टानाअघोषापमाचनरुप ॥ २५ ॥ ओं मानिधनिवज्रिनीमहापुति
सुवज्ररमांइंइंदुइंदु ॥ ओं श्रुतविलाकिगार्हसंनकुनिश्राकषेनि
इंदुइंदुइंदुस्तुता ॥ ओं विमलविपुलजयवलश्रुतइंदुइंदुइंदुस्तु
ता ॥ ओं रुलरसंरुलरइंदुविपुलविस्तुतिवृन्चनइंदुइंदुइंदुस्तु

15

10

5

0

ॐ नायाः हं न सम्यक् वृत्ताय ॥ कथं ॥ ॐ वत्स २ महावत्स वत्स विक्रय स्वाहा ॥
 ॐ नमो दशदिक् चक्र काल सर्ववत्सु याय नमः ॥ पदक सुपदक सर्वण
 पविस्त्र धनि स्वाहा ॥ ॐ १ वा नाया चै ३ उलसा ॥ द्वा कया दाल द्विप्रमान पुन्य ॥
 ३२ ॥ ॐ विपूल गरु मनि परु तथ गत निर्द सन मनि २ शु परु विमल संग
 हिवरु हं कल २ वृ विना कि ग का विदि न गरु स्वाहा ॥ ॐ महि वज्र हं ॥ ॐ म

 कि
 १६

निधनि हं ॥ ॐ १ वा नाया फल नं हल पा कार्य सिद्ध रुय ॥ ३३ ॥ ॐ धचल
 हं ॥ ॐ १ वा पुन्य या फल नं दाल द्वि जन्म मया नाया ग पाप माचन ॥ ३४ ॥
 ॐ नमो राग वरु य सु पा व मिताय ॥ ॐ नमो दकि हल्लि सि २ हिन २ हिन य २
 नमो राग वरु पद सु पति २ हिति नि २ मि वि कि २ सु व कि २ उ मू लि २ रु य य स्वाहा
 ॥ ॐ १ वा नाया फल नं नमो सु सहु कोटि वज्र कोटि रु क य सु पा व मि

centimeter

5

10

15

20

15

10

5

0

ॐ

ताविष्णुकथं हस्त ॥ ३१ ॥ ॐ अं हिनवचनं हं मं हं शी वा अय्य कनथ
 सप्तलपानं पंच महापापक दन रुयः न न क स चान पति ड क न या य रु यो य
 ॥ ३२ ॥ ॐ अं की ॥ मं हं शी वा अय्य कनथ वा वं वा म ल म न क सा स वं का यो
 सिद्ध रु यो य ॥ ३३ ॥ ॐ हं ग वं २ वि सू वं २ अति नं वि न वं शु वं न अं अ
 स्वाहा ॥ ॐ न सि २ स्वाहा ॥ ध्यापू न्य न द धं कृ ण ल पं च महापाप मा च न रु य ॥

कि
१०

॥ ३४ ॥ ॐ अं ध र्मा स्वादि ॥ ॐ अं सि ता रु य रु अय न कि न सर्व ग हान्ता
 स्य २ रु न २ रुं २ रुं रुं स्वाहा ॥ पति गि वा रु द य ॥ ३५ ॥ ॐ न मा च नु व
 रु या न य महा व रु धा य रु न रु ति रु वं ध २ रु न २ अ म रु रुं रुं रुं ॥ व रु
 अ गि नि धा न नि ॥ ४० ॥ ॐ न व रु ता न म म अ य य न्य रु न य रुं रुं रुं
 रु स्वाहा ॥ सृ ल च नि ता न या रु द य ॥ ४१ ॥ ॐ न मा रु ग व रु सर्व रु

centimeter 5

10

15

20

कं नन ईं हूँ ॥ ओं ऊ मां क ईं हूँ ॥ ओं ऊ र्म वा जा स दा म य प दा नू न या द या य द
 या द य प द या नि नि क ऊ र ऊ वि वा म य ईं हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ ॥ ओं श्री व ऊ ह
 ह नू नू क ईं हूँ हूँ ॥ ठा कि नि जा ल स म्ब लं स्वा हा ॥ ओं श्री हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ ॥ ओं
 व ऊ वे वा च नि य ईं हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ ॥ ओं ओं ओं सर्व वृद्ध ठा कि नि य व ऊ वृद्ध नी य
 व ऊ वे वा च नि य ईं हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ ॥ स र्ति या हूँ द य ॥ ४८ ॥ ओं श्री

कि
 २०

ईं हूँ हूँ ओं म नि य य ईं ॥ ओं व ऊ ऊ ठि वृद्ध ठा कि नि व ऊ वे वा च नि य ईं हूँ हूँ हूँ ॥
 ओं घू न र घू ना प य र स्वा हा ॥ ह वि नि स भ च न्द्रि य ईं हूँ ॥ आ गि नि या हूँ द य ॥
 ४९ ॥ ओं न मा रू ग व रं का ल च का य व ऊ हूँ व व हि सं क रा थ म ह न्दु नी ल व
 र्ण स नी ला य ॥ ओं श्री हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ ॥ ओं किं हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ ॥ ओं श्री का ल च का
 य ईं हूँ हूँ ॥ ओं हूँ वि ध मा ता ईं हूँ हूँ ॥ ओं व ऊ वा वा हि श्री व स सर्व इ क्षा न्द्रा स्वा

कं यत्तु च यादय ईं ईं ईं ॥ **प्रिकाल हृदय ॥ ५३ ॥** ॥ ओं वज्रपाति हयग्रीव ॥
 कनूता ईं हृदय ॥ ओं स्प न जाकिनि श्रमनाति जीवन्तिय स्वाहा ॥ ओं स्वा ल कृष्ण
 न शोखा १८ न शोथ स्वा घन न क कुम्भारि न क्षा श्रव मथ्य स्वा १८ न नृ २ ईं ईं स्वा ॥ ओं सा कि
 हा वाज कृच ईं हृदय ॥ ओं वज्र महा काल किं कृ वि घ्ना वि नाथ का ईं ईं हृद हृद २२
 स्वाहा ॥ ओं काल ने प्य ईं हृदय ॥ ओं चामु नि ईं हृदय ॥ ओं मा हा का ला य ईं हृदय ॥

ओं महा काल कला ल वि का बाल कृ क श मि नि च षु मि वा कृ सि मि रा वि द वि ईं स्वा
 ईं ॥ ओं पुन श्रान कि नू प नू ष ला हि त सर्व स कृ मा ल य २ ईं हृदय ॥ ओं न क्राय न
 चिं क क लं प ति द वि ईं ॥ **शुभ रा न य मंज ॥ ५४ ॥** ॥ ओं सर्व स कृ मा ल य मं द
 य ईं हृद हृद स्वाहा ॥ ओं ज कृ कि ति श्रार्य ज ल ईं हा ईं ॥ ओं थि नि नि नि ओं मि वि मि
 नी ईं ॥ ओं वे स्वा हा ॥ ओं धे व ना य स्वा हा ॥ ओं ज मू ल ज लं द्रा य स्वा हा ॥ ओं

कं पूनेरुदाय स्वाहा ॥ अं मानिरुदाय स्वाहा ॥ अं कृपयाय स्वाहा ॥ अं सपुजा नाय
 स्वाहा ॥ अं गन्धाय स्वाहा ॥ अं वचिकाय स्वाहा ॥ अं चिविकुलीय स्वाहा
 ॥ अं इंधाया दविकालिकालि महाकालि इंधा इंधा ॥ अं नमो मे संतु वृक्षानां कि
 मचिं नमः सूरपिनि अं तात्र स्वाहा ॥ विशावं वरुण ॥ ॐ ॥ अं समं ते रुद्र ॥ ३३
 य इंधं कनजोगि वजापम वृक्षान वृक्षान निषर्तं च मध्यं च वं मध्यं च वं

मधुसुर्वोद्धि मच्च मियर्नजिन हिरुद च विपनिधनम गज इंधं स्वाहा ॥
 मरुसहस्रिका प्रसूपा नमिता नामधवनि ॥ अं ॥ अं नमो गवतये च विं
 सनिका प्रसूपा नमिताये ॥ नयध ॥ अं प्रहृ २ महाप्रहृ सर्वं वेषु हृ सर्वं
 वेषु सर्वं हृ न इह लप हृ न सकल सिकल सिकल सिकल सिकल सिकल सिकल सिकल
 इध २ सव २ धव २ चव २ गं २ गं २ किं २ स्वाहा ॥ इति पंचांगमिका प्रसूपा

ॐ नवनवकितां सम्यक् वदुकादितां मृगयुक्तसहस्रानां नागभनदिवा लका सम
 तां गायययनवदुकादितां मृगयुक्तसहस्रानां नागभनदिवा लका सम
 रगवकपुरुसमं वजाय कथगगायाः र्हेकसम्यक् वदुकाय ॥ कथय ॥ ॐ
 वज्रकायनहो वलमं वजाय र्हेकसहस्रानां ॥ ध्यायन्त्यनकमिला कवनजः
 रानायाः सहस्रमं गालायाः कथगगायाः र्हेकसहस्रानां नागभनदिवा लका सम

योगः सवपातडाखरुषयानागः वनंथनागः वंभीकदकयागः मृकिर्दिवा ना
 गः ध्यायन्त्यनकमिला कवनजः ॥ ध्यायन्त्यनकमिला कवनजः ॥ ध्यायन्त्यनकमिला कवनजः
 मृगयुक्तसहस्रानां नागभनदिवा लका सम
 रगवकपुरुसमं वजाय कथगगायाः र्हेकसम्यक् वदुकाय ॥ कथय ॥ ॐ
 वज्रकायनहो वलमं वजाय र्हेकसहस्रानां ॥ ध्यायन्त्यनकमिला कवनजः

15

10

5

0

...सहास्रनाम... कथयन् ॥ ॐ पद्मिनि वाचयति ॥
 ...यस्यैव... ॥ ॐ नमो ब्रह्मण्यो यथा धिया प्रशवनः ॥
 ...जितं लायधनं धनं च ॥ ॐ नमो ब्रह्मण्यो यथा धिया प्रशवनः ॥
 ...सर्वसंयुक्तं ॥ ॐ नमो ब्रह्मण्यो यथा धिया प्रशवनः ॥

कि २१

...सहास्रनाम... ॥ ॐ नमो ब्रह्मण्यो यथा धिया प्रशवनः ॥
 ...सर्वसंयुक्तं ॥ ॐ नमो ब्रह्मण्यो यथा धिया प्रशवनः ॥
 ...सर्वसंयुक्तं ॥ ॐ नमो ब्रह्मण्यो यथा धिया प्रशवनः ॥
 ...सर्वसंयुक्तं ॥ ॐ नमो ब्रह्मण्यो यथा धिया प्रशवनः ॥

centimeter 5 10 15 20

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

25

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

25

